मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–011

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.वी.एस.-011 : वास्तुशास्त्र का स्वरूप एवं इतिहास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $3 \times 20 = 60$

1. वास्तुशास्त्र की परिभाषा लिखते हुए विस्तृत परिचय दीजिए।

2. वैदिककालीन वास्तु का परिचय देते हुए वास्तुशास्त्र के प्रकारों पर निबन्ध लिखिए।

3. वास्तुशास्त्र के मानक ग्रन्थों का परिचय विस्तार में प्रदान कीजिए।

4. वास्तुशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. प्राकृतिक शक्तियों पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

6. भारतेतर वास्तु परम्परा का उल्लेख करते हुए प्राचीन भारतीय वास्तुकला का विस्तृत परिचय दीजिए।

खण्ड—ख

***निर्देश :** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* $4 \times 10 = 40$

7. वास्तुशास्त्र में काकिणी विचार कैसे करते है ? सोदाहरण वर्णन कीजिए।

8. देश/स्थान की सामान्य अवधारणा को समझाइए।

9. आकाश महाभूत को वास्तु के सन्दर्भ में आलोकित कीजिए।

10. रामायण में वर्णित वास्तुशास्त्र के सन्दर्भों का वर्णन कीजिए।

11. वर्तमान सन्दर्भ में वास्तुशास्त्र की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

12. गृह निर्माण के प्रयोजन पर टिप्पणी लिखिए।

13. गृह के समीप प्रशस्त वृक्षों पर टिप्पणी लिखिए।

14. पुराणों के अनुसार भूमिचयन की विधि को वर्णित कीजिए।

× × × × ×